an>

Title: Need to include restoration, rejuvenation and maintenance of water bodies in the list of works under Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme.

**श्री लल्लू सिंह (फ़ैज़ाबाद) :** देश में जल का संकट सघन होता जा रहा है। जल उपलब्धता का स्रोत मुख्य रूप से मानसून की वर्षा है जिसका संचय करना ही एकमात्र उपाय है। सरकारी सूत्रों के अनुसार देश में नदियों के प्रवाह से 1869 बिलियन क्यूबिक मीटर जल देश की वार्षिक औसत से उपबल्ध होता है जिसमें नदियों के प्रवाह की आवश्यकता के लिए जल की मात्रा को कम कर दिया जाए तो शेष 1123 बिलियन क्यूबिक मीटर जल उपयोग हेतु उपलब्ध होता है। देश में जल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए 650 से 750 बिलियन क्यूबिक मीटर उपयोग में आ रहा है। नेशनल एकीकृत जल संसाधन विकास आयोग का कहना है कि देश में जल संचय की भण्डारण क्षमता 455 बिलियन क्यूबिक मीटर कर दी जाए और जल इसमें संचय हो जाए तो जल का संकट देश में दूर हो सकता है। अभी देश में 225 बिलियन क्यूबिक मीटर जल संचय करने की क्षमता है। अतः इस भण्डारण क्षमता को बढ़ाकर 458 बिलियन क्यूबिक मीटर हो जाए तो जल की आवश्यकता देश में पूरी हो सकती है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि सर्वोच्च प्राथमिकता देकर देश में केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण ग्रामीण योजना "महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार योजना" को जल संचय भण्डारों के निर्माण से जोड़ दिया जाए। साथ ही मेरा अनुरोध है कि कम से कम आगामी दो वर्षों के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार योजना के क्रियान्वयन को देश की समस्त झीलों, पोखरों, तालाबों और नहरों एवं नालों की खुदाई से जोड़ दिया जाए। मेरे संसदीय क्षेत्र फैजाबाद (उत्तर प्रदेश) में मिल्कीपुर, रूदौली, सोहावल क्षेत्रों में बड़ी-बड़ी झीलें हैं जो मीलों लंबी हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामों व कस्बों में हजारों पोखर और तालाब हैं जो सरकार की अनदेखी के कारण अपना स्वरूप भूल चुके हैं। इसलिए न केवल मेरे संसदीय क्षेत्र के इन स्थलों को वरन् समस्त देश के जीर्ण-क्षीर्ण अवस्था में पड़े नदी, नाले, झील, तालाब, तलइयॉ एवम् पोखरों की खुदाई कर उनमें जल संचय की व्यवस्था का रास्ता बनाया जाए। मेरा विश्वास है कि इस प्रकार एक ओर जहां महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार योजना में होने वाले व्यय से देश में सम्पति का सृजन होगा, वहीं देश का बहुत बड़े जल संकट का समाधान भी हो जाएगा।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Rakesh Singh – Not present.

Shri Ramcharan Bohra – Not present.

Shri Sharad Tripathi – Not present.

Shri Chand Nath.